

अवधानामा



वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया अंतरिम बजट, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाएं



इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं एक करोड़ घरों को मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली

■ आशा वर्कर को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा ■ तीन करोड़ महिला बनेंगी लखपति दीदी ■ वैदेनारत एटर्ड के बनेंगे 40 हजार देल कोरे ■ उड़ान स्कीम के तहत नए एयरपोर्ट बनेंगे ■ मध्यम वर्ग के लिए आवास योजना, गानीन आवास का भी दायरा बढ़ाया ■ यू-टिन प्लेटफॉर्म के जरिए टीकाकरण ■ डिफेंस बजट के लिए निले सबसे ज्यादा 6.2 लाख करोड़ ■ एग्रीकल्चर के लिए निले सबसे कम 1.27 लाख करोड़ ■ मत्स्य संपदा योजना को बढ़ाया दिया जाएगा ■ टेक-सेवी यूथ के लिए 1 लाख करोड़ लापण का कोष ■ नए नेटिकल कॉलेज बनेंगे 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला ■ 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ ■ रिकल इंडिया निशन के तहत 1.4 करोड़ युवा ट्रेंड किए गए ■ एफडीआई इंप्लो 10 साल में दोगुना हुआ

मोबाइल हो सकते हैं सरते

जल्द ही मोबाइल फोन समेत तमाम इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान सरते हो सकते हैं। जबकि सोने-चांदी के आभूषण मर्दों हो सकते हैं।

दरअसल, बजट के पहले ही मोबाइल फोन में इस्तेमाल कलपुर्जे पर आयत शुल्क घटा दिया है। ट्रैक्स में ये बदलाव एक

अप्रैल से लागू होगा। हालांकि, अंतरिम बजट से एक पहले याती बुधवार को सरकार ने ली

मोबाइल फोन में इस्तेमाल कलपुर्जे पर आयत शुल्क घटा दिया है। इसे 15

फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया जाया है।

सोने-चांदी के गहने होंगे महंगे

हाल ही में सरकार सत्ता में आई, तो भारत भारी चुनौतियों का सम्पन्न कर रहा था और सरकार ने सही

तरीके से चुनौतियों पर काढ़ा पाया। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने पिछले साल नववर्ष में कहा था कि

उनकी सरकार गरीबी आबादी के लिए मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ायेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि गरीबी से निपटने के लिए सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार गरीबी आबादी के लिए मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ायेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से मुक्ति मिली है। उन्होंने लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि गरीबी से निपटने के लिए सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिला। सीतारमण ने कहा कि अब

उनकी सरकार ने नजरिये

सम्पादकीय

जनादेश का वंशवाद

ज्ञारखंड से शुरूआत करते हैं। वहाँ चुनावी जनादेश ज्ञामुगे गठबंधन को मिला था, जिसने हेतु सोरेन को मुख्यमंत्री चुना। अब वह कई गंभीर घोटालों में आरोपित हैं। वर्तमान रेसा हाना चाहिए कि यदि उनकी गिरफतारी होती है, तो उनकी पती कल्पना सोरेन को राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया जाए? क्या चुने हुए विधायकों को एक देसे देशों को अपना मुख्यमंत्री बना दिया जाए? जो विधायक भी नहीं है? चूंकि हेतु सोरेन ज्ञामुगे के 'आलाकमानी नेता' हैं, तिहाई जो उनका आदेश था अग्रह होगा, उसे स्वीकार कर लिया जाए? जनादेश सोरेन के नेतृत्व में ज्ञामुगे गठबंधन को मिला था। क्या वह जनादेश भी पती, बेटा-बेटी अथवा बंश के किसी अन्य व्यक्ति को स्थानांतरित किया जा सकता है? अम आदमी के संदर्भ में लें, तो क्या एक व्यक्ति को जिसी नौकरी को परिवार में ही स्थानांतरित किया जा सकता है? क्या आप कह सकते हैं कि मैं अपना नियुक्ति पत्र अपने परिजन को सौंप रहा हूं, कल से खाली काम पर आगा? अपको नौकरी तुरत खाली हो जाएगी। राजसंघ ये स्वतंत्र होगा, सरकार और लोकतंत्र के संदर्भ में बहादूर गंभीर हैं और हमारी व्यवस्था पर ही स्वतंत्र करते हैं। सर्विधान में व्यवस्था की गई कि बहुमत वाले पक्ष के विधायक अपना नेता चुनेंगे। राज्यपाल उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। ऐसा ही संसद में सासद अपना प्रधानमंत्री चुनते हैं। चूंकि हेतु सोरेन पर घोटालों के गंभीर आरोप हैं और प्रत्यन्त निदशालय (इंडी) उनको जांच कर रहा है। वह मुख्यमंत्री को गिरफतार करे या प्रूछतांक कर अपेक्षा पत्र तैयार कर अदालत में दखिल करे, यहाँ अथवा किसी भी जांच ऐसी का विशेषांकिता है। इधर के दौर में जब चारा घोटाले में विहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव को जेल भेजा गया था, तो उहाँने पार्टी विधायकों से अपनी पती राजीव देवी को मुख्यमंत्री चुना दिया था।

रावड़ी विधायक भी नहीं थीं और प्रशासनिक दृष्टि से भी निश्चर थीं, फिर भी वह करीब 8 साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहीं। पार्टी लोकतंत्र और सर्विधान पर इससे कर्तव्य मजाक नहीं हो सकता। काफी पूरानी बात हो गई, जब देवीलाल को केंद्र में उपराजनन्त्री बनाया गया था, तो उन्हें जेडे पुर और ओमप्रकाश चौटाला को राजीवाणी का मुख्यमंत्री बना दिया गया था। उक्ते चुनाव के उपराजनन्त्री दूसरे में कई 'महाम' हुए। प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिया गांधी की हावी की गई, तो तत्कालीन राष्ट्रपति जानी जैल सिंह ने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई थी। वह संसद भी नहीं थीं। हालांकि कुछ भाव लोकसभा चुनाव हुए, तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 414 सीटें जीतीं। बहरहाल हेतु सोरेन के संदर्भ में उनकी पती को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो वह जनादेश का एक और वशवाद के वंशवाद से नहीं चुना जाएगी? मुख्यमंत्री रहे हेतु सोरेन जिस रह 41 घटे 'लापता' रहे। राज्यपाल और शीर्ष राजसंघों और पुलिस अधिकारियों को उनको कोई सुराग नहीं था। सुकृत एजेंसियों के परपरे छूट गए कि अमिर मुख्यमंत्री कहा गए? रांची से दिल्ली, दिल्ली से कोलकाता तक चार्टर विमान और फिर सड़क मार्ग से रांची तक लौटन्मुख्यमंत्री को इसकी ज़रूरत विमान और आदेश दियाई दी गई। बहरहाल यह हड्डी जांच करेगी, लेकिन हमारा सरोकार जनादेश के वंशवाद से है, जिस पर हमने कुछ चिंतित स्वतंत्र उठाए हैं।

क्या हर बात आपकी सही होती है और सामने वाले की ग़लत, कहीं आप भी तो ऐसा नहीं सोचते न?

हमारे आसपास हमारे रिसेटेंडों के विकास करते हैं।



सुनीता कर्हवारी

बीच बहुमान सारे लोग हमें मिल जाते हैं।

मार

हमारे आसपास हमारे जिनकी बातों में वितान जलनकी है और बात बात में सामने वाले को जान देने की प्रवृत्ति दियाई दी है।

जाननाम होना, गुणवान होना ये बेश्वर का बहुत बड़ा उपराजनकारी माना जाता है, उनकी आदेश दियाई दी है। वर्तमान राजीव को जान प्राप्त करने के संबंधित विवरण हो गए हैं।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

जानवान होने की यह बढ़ती सोच लोगों को एक दूसरा का सम्मान करने की भावना का हास्पर रही है, सोचे लोग जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होते हैं। जानवानी के उनकी अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

व्यक्तियों ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

विश्वानिदें ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

व्यक्तियों ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

विश्वानिदें ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

प्रतिष्ठियों ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

प्रतिष्ठियों ने जान की परिभाषा कई तरह से दी है - कौटिल्य के अनुसार विश्वा की परिभाषा विश्वा मानव को एक सुखाय नामित बनाना सिखाती है तथा उक्ता व्यक्तित्व विकास करती है। सुकृत ग्रन्थ के अनुसार - जिसकी की परिभाषा जीवन की व्यक्ति विशेषज्ञ होती है, उनकी बच्चों को सम्मान देना चाहते हैं और उन्हीं नहीं उनकी बच्चों को सम्मान करने की चाही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे बनना चाहते हैं। उनकी गुप्तसे को कोपाभाजन हमें बना पड़ा है। ये प्रतिष्ठि आजकल लोगों में ज्यादा बढ़ती जा रही है।

ऐसा इसलिए होता है कि जान प्राप्त करने की बात बच्चों में गोरीबी थी अमीरी देखकर नहीं आती बच्चे

सीएमओ कार्यालय का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उहोने बायोपैटेक्ट इंस्टेलेशन की गतिमान प्रक्रिया के विषय में जानकारी ली। उहोने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आकर्ष गौतम को निर्देश दिए हैं कि खारब इमारत के स्थान पर नई इमारत बनाने हेतु प्रस्ताव बनाकर भेज दें। उहोने अस्पताल में रखी जर्जर अलमरी को भी बदलावने हेतु निरीक्षण किया। टूटे-फूटे तथा बंद पड़े शौचालय एवं पकिंग की बदलाल व्यवस्था को देखकर उहोने नाराजगी व्यक्त की तथा एओ/नाजीर का जवाब तलब



करने के निर्देश दिए। बंद पड़े शौचालय को पुष्टः संचालित करने हेतु निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने टीकी कर्तीनिक का भी निरीक्षण किया। कर्तीनिक में स्थित डॉक्टर सेंटर जाकर उहोने मरीजों से अस्पताल में मिल रहे वितर हेतु एटीएम का भी निरीक्षण किया।

मरीजों से मिलने वाले फीडबैक संचालन की रहा। जिलाधिकारी ने मरीजों को वितरत की जाने वाली पोषण समीक्षा को भी देखा। उहोने सामग्री वितरण रजिस्टर का भी निरीक्षण किया। कार्यालय में व्यास गंदी को देखकर जिलाधिकारी ने नाराजी की जाहिर की तथा साफ सफाई हेतु निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने जलाल कुछ रोगियों को मिलने वाले मद समग्री के वितरण के विषय में जानकारी ली। तथा वितरण रजिस्टर को भी देखा। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय जिला वैक्सीन घंडर पहुंचे और वहां पर वैक्सीन-स्पैस के खरारावाल का निरीक्षण किया। डॉक्टर ने सभी दस्तावेजों को सुव्यवसित रखने के निर्देश दिए।

एम्बुलेंस में मिली पिपरौला बंजर के युवक की लाश

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। कानेंट स्कूलों की तरह परिषदीय विद्यालयों में अध्ययन वर्ष बच्चे के संप्रतिष्ठानों में प्रतिभावान किया गया और माता-पिता का नाम रोशन कर रहे हैं। बच्चों के अभिभावक भी जागरूक हो रहे हैं। बताते चले विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा 2023-24 में परिषदीय विद्यालयों के 12 छात्र व 24 छात्रों का चयन हुआ, जिसमें ब्लॉक बार अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय पठानपुर की कक्षा 05 में अध्ययनरत छात्र ज्योति कुशवाहा का चयन विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा में होने पर परिवार व गांव में खुशी का महाल है। विद्यालय में समान समारोह आयोजित करके प्राथमिक विद्यालय पठानपुर एवं संविधित उच्च प्राथमिक विद्यालय डुलावन के स्टाफ एवं ग्रामीणों ने छात्रों को सम्मानित करके शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रधान नायिक नासिर खान, सहायक अध्यापक देवीशंकर कुशवाहा, पुष्पेंद्र जैन, अंशु नामदेव, माधौरी कुशवाहा, शिक्षिका अंचल लाल, सरला कुमारी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरपाल कुशवाहा, एसएसपी अध्यक्ष साकूलाल कुशवाहा, पंचायत मित्र मोहन कुशवाहा, नंदकीरा, श्रीलाल, बारेलाल, मुरलीधर, मुकेश झां, कालीचरण, बृजनन्द, रामकिशोर, परशुराम, मुकेश कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, श्रीराम, तुलसी नायिक, भावती, जयंती, भारती, जयादा, किसन, पर्वती, रामकुमारी, रामदेवी, राजकुमारी, गीता, मुस्कान, पूजा, लालकुंवर, बबीता, सीमा, काजल के अलावा ग्रामीण भौजूद रहे।

पत्रकारिता की पूरी कार्यशाला थे वरिष्ठ पत्रकार शिव प्रकाश: जितेंद्र

अवधनामा संवाददाता

सुन्नतानपुर। उत्तर प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त, चार दशक तक कलम की धरा से समाज और देश को नहीं दिशा देने वाले सुन्नतानपुर किरण संसेत कई अखबारों के संपादक व प्रबंधन निरेक्षण रेहे शिव प्रकाश गुप्ता के निधन के बाद प्रसार बल्कि में पत्रकारों ने शोक सभा आयोजित कर ड्राइंगली अंतिम की। यहां वरिष्ठ पत्रकारों ने उनके कार्यकाल को अनेक यादें साझा किए।



वरिष्ठ पत्रकार के निधन के बाद आयोजित शोकसभा में पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

इसके बाद शिव प्रकाश जी के सहयोग से उहोने अपने पत्रकार जीवन की शुरुआत की। निर्मित निंदर व बुद्धि संवादात्मक विद्यालय के अध्यक्ष व पद्धतिकारी अंचल लाल के द्वारा एवं प्रबंधन निरेक्षण रेहे शिव प्रकाश गुप्ता के निधन के बाद प्रसार बल्कि में पत्रकारों ने शोक सभा आयोजित कर ड्राइंगली अंतिम की। यहां वरिष्ठ पत्रकारों ने उनके कार्यकाल को अनेक यादें साझा किए।

जी अपने आप में पत्रकारिता की पूरी कार्यशाला थे वह अपने साथ पत्रकारिता की गुरु सीख रखे पत्रकारों का बड़ा प्रत्याहार करते थे। उनके द्वारा बंद दशक तक चलता रहा। इस दौरान उनके सम्बन्ध में लगभग चार दर्जन युवाओं ने पत्रकारिता के गुरु सीखे और पुलिस की सुविधाओं से जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराये ताकि प्रस्तावित रह सूची की अनिमत्तम रूप से ग्रामीण योगदान के लिए आज आज बड़ी भूमिका में है। वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र ने कहा शिव प्रकाश के लिए लोग खड़े रहते थे। पवारी के बाद

मसूर की फसल तोड़कर भरने पर खूनी संघर्ष

ललितपुर। खेत में लाली मसूर की फसल जबकि तोड़कर ले जा रहे कीरब रंजन भर से अधिक लोगों को रोकने पर हथियारों के बल पर मारीटी करने का शास्त्रीय विद्यालय नायिक निरेक्षण करते थे। उनके द्वारा बंद दशक तक चलता रहा। इस दौरान उनके सम्बन्ध में लगभग चार दर्जन युवाओं ने पत्रकारिता के गुरु सीखे और पुलिस की सुविधाओं से जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराये ताकि प्रस्तावित रह सूची की अनिमत्तम रूप से ग्रामीण योगदान के लिए आज आज बड़ी भूमिका में है। वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र ने कहा शिव प्रकाश के लिए लोग खड़े रहते थे।

प्रदान किया जा सके। राजनीतिक दलों के निर्वाचन अधिकारी शिखा श्रीवास्तव, प्रतिनिधियों द्वारा सुनाया गया है कि सभी सामग्री वितरण अधिकारी गोरख निरीक्षण के लिए क्षेत्र विभाग में आपदा से संबंधित वाले पर सरकार गैरी लेने के लिए उत्तराखण्ड राज्य नायिक निरेक्षण के नायिकों को निराश है। सरकार जिला निर्वाचन कार्यालय की दौरा किया गया और मानसून के समय में आने वाली बढ़ा की अकलन किया गया। राजनीति बनार्ह गई कि किस तरह से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। किसी भी प्रकार की घटना हो तो उससे सुचारू रूप से सभी विभागों के द्वारा मिलकर निपटा जा सके।

उत्तराखण्ड

प्रदान किया जा सके।

राजनीतिक दलों के साथ सम्पन्न हुई बैठक

अवधनामा संवाददाता

बहराइच

ललितपुर।

